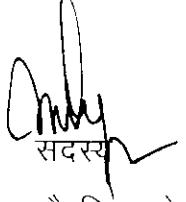
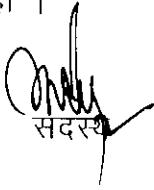


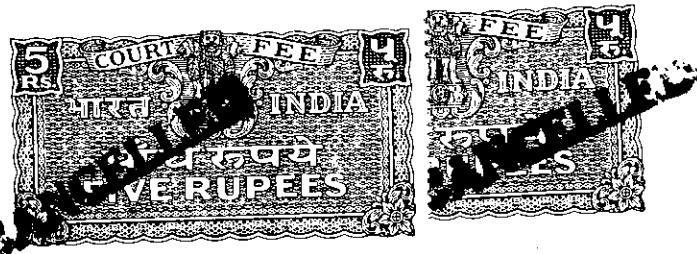
~~XXXIX(a)BR(H)-11~~

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक आर.393-दो/06

जिला—सागर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
15-7-14	<p>इस प्रकरण में दिनांक 19-6-14 के बाद से आवेदक की ओर से कोई अभिउपनहीं हो रहा ।</p> <p>प्रकरण आदेशार्थ ।</p> <p> सदस्व</p>	
३-८-१५	<p>प्रकरण का अवलोकन किया । अवलोकन से ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक को अपना प्रकरण चलाने में कोई रुचि नहीं हैं । अतः आवेदक की रुचि के अभाव में यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है । दाखिल रिकार्ड हो ।</p> <p> सदस्व</p>	



न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल च्वालियर(म०प्र०) केष्य, सागर

श्रीमति मन्जूलता पति अनिल कुमार जैन
निवासी ग्राम सिंगपुर, तहसील हुरई जिला सागर
हाल निवासी ज्योति लाज के सामने, स्टेशन रोड
सागर तहसील व जिला सागर — = = रिवीजन कर्ता। आवैदिका

बनाम

गणेश वर्त्त श्री हल्कू बड़ार साकिन
ग्राम सिंगपुर, तहसील हुरई
जिला सागर(म०प्र०)

— = = अनावैदक

आवैदन पत्र अन्तर्गत धारा ५ अधिनियम-

आवैदिका। रिवीजन कर्ता की ओर से निम्न प्रार्थना है-

- (१) यहकि, रिवीजन कर्ता के अधिवक्ता द्वारा न्यायालय श्रीमान् अवर कलेक्टर, सागर द्वारा प्रकरण श्रमांक ६० -आ १६(१) वर्ष ६६-२००० में पारित आदेश दिनांक १४। १। २००० के विराट सहवन मूलवश निगरानी न्यायालय श्रीमान् अतिरिक्त आयुक्त सागर संभाग, सागर के सका प्रस्तुत कर दी गयी थी।
- (२) यहकि, श्रीमान् अतिरिक्त आयुक्त सागर संभाग, सागर के न्यायालय द्वारा उक्त निगरानी ब्रवण होता थिकार न होने के कारण दिनांक ३। २। २००६ की संबंधित निगरानी सदाम न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु वापिस करने की अनुमति दैते हुए आदेश पारित किया गया।
- (३) यहकि, निगरानी कर्ता के अधिवक्ता की संबंधित निगरानी के आदेश दिनांक ३। २। २००६ की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि दिनांक १०। २। २००६ एवं मूल निगरानी तथा अतिरिक्त कलेक्टर, सागर के